९. आदमी का अनुपात

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों के चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।

1. कविता 'आदमी का अनुपात' के रचनाकार कौन हैं?
   a) सुमित्रानंदन पंत ☐ b) रामधारी सिंह दिनकर ☐
   c) गिरिजा कुमार माथुर ☐ d) महादेवी वर्मा ☐
2. कविता में मनुष्य की तुलना किससे की गई है?
   a) पहाड़ से ☐ b) ब्रह्मांड से ☐
   c) सागर से ☐ d) सूरज से ☐
3. "संख्यातीत शंख सी दीवारें" किसकी ओर संकेत करती हैं?
   a) सीमाएँ और विभाजन ☐ b) घर की दीवारें ☐
   c) पहाड़ की चोटियाँ ☐ d) समुद्र की लहरें ☐
4. कवि ने मनुष्य के किस दोष की ओर ध्यान आकर्षित किया है?
   a) परिश्रम ☐ b) त्याग ☐
   c) धैर्य ☐ d) अहंकार ☐
5. कविता में ब्रह्मांड की विशालता किस रूप में दिखाई गई है?
   a) लाखों ब्रह्मांड, अनगिनत नक्षत्र ☐
   b) छोटी पृथ्वी ☐
   c) एक आकाशगंगा ☐
   d) सीमित आकाश ☐
6. "दो व्यक्ति कमरे में / कमरे से छोटे" – यह पंक्ति क्या दर्शाती है?
   a) मनुष्य का विशाल स्वरूप ☐ b) मनुष्य का छोटापन ☐
   c) घर की सजावट ☐ d) कमरों की संख्या ☐
7. "करोड़ों में एक ही" – यह किसके लिए कहा गया है?
   a) मनुष्य ☐ b) चंद्रमा ☐
   c) तारा ☐ d) पृथ्वी ☐
8. कवि के अनुसार मनुष्य क्या करना चाहता है?
   a) प्रकृति का आनंद लेना ☐ b) प्रेम फैलाना ☐
   c) दूसरों पर शासन करना ☐ d) संसार की यात्रा ☐
9. कविता में कवि का लहजा कैसा है?
   a) क्रोधपूर्ण ☐ b) व्यंग्य और चिंता से भरा ☐
   c) घृणास्पद ☐ d) हास्यपूर्ण ☐
10. "एक कमरे में दो दुनिया रचता है" का तात्पर्य है—
    a) सीमित स्थान में भी अलगाव ☐
    b) कमरे की सजावट ☐
    c) कमरा छोटा होना ☐

d) दुनिया की सुंदरता ☐

(ख) पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

1. "करोड़ों में एक ही / सबको समेटे है / परिधि नभ गंगा की"
   उत्तर: _____
   _____
   _____
2. "देशों की कौन कहे / एक कमरे में / दो दुनिया रचता है"
   उत्तर: _____
   _____
   _____

(ग) सही कथनों के सामने 'सही' और गलत के सामने 'गलत' लिखिए:

1. कविता में मनुष्य की विशेषता को उसकी विनम्रता के रूप में दिखाया गया है। ☐
2. कवि ने ब्रह्मांड को अनेक ब्रह्मांडों का समूह बताया है। ☐
3. कविता में "नभ गंगा" का अर्थ आकाशगंगा है। ☐
4. मनुष्य सबको समान समझकर जीवन जीता है। ☐
5. कवि ने मनुष्य के अहंकार पर तीखा व्यंग्य किया है। ☐

(घ) मिलान कीजिए।

स्तंभ A	स्तंभ B	उत्तर
1. गिरिजा कुमार माथुर	i. ईर्ष्या और अविश्वास से खड़ी की गई	1. _____
2. आदमी	ii. हमें मिल-जुलकर रहने की शिक्षा देती है	2. _____
3. पृथ्वी	iii. "हम होंगे कामयाब" का हिंदी रूप लिखा	3. _____
4. दीवारें	iv. ब्रह्मांड की विशालता के मुकाबले छोटा	4. _____
5. कविता "आदमी का अनुपात"	v. आकाशगंगा का एक छोटा हिस्सा	5. _____

(ङ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 2-3 वाक्यों में दीजिए।

1. कविता का मुख्य संदेश क्या है?
   उत्तर: _____
   _____
2. कवि ने ब्रह्मांड की विशालता को कैसे व्यक्त किया है?
   उत्तर: _____
   _____
3. "संख्यातीत शंख सी दीवारें" का क्या अर्थ है?
   उत्तर: _____
   _____
4. कविता में मनुष्य की कौन-कौन सी नकारात्मक प्रवृत्तियों का उल्लेख है?
   उत्तर: _____

_____

5. "दो व्यक्ति कमरे में / कमरे से छोटे" – इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
   उत्तर: _____
   _____

(च) नीचे दिए गए प्रश्नों के 4-5 वाक्यों में दीजिए।

1. कवि गिरिजा कुमार माथुर ने मनुष्य के अहंकार और ब्रह्मांड की विशालता के अनुपात को कैसे दर्शाया है? विस्तार से लिखिए।
   उत्तर: _____
   _____
   _____
   _____
   _____

2. "आदमी का अनुपात" कविता का समाज के लिए क्या संदेश है? अपने शब्दों में समझाइए।
   उत्तर: _____
   _____
   _____
   _____
   _____

(छ) व्याकरण और भाषा अभ्यास

1. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

i.	ब्रह्मांड	- _____	iv.	पृथ्वी	- _____
ii.	मनुष्य	- _____	v.	दीवार	- _____
iii.	विशाल	- _____	vi.	नक्षत्र	- _____

2. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

i.	छोटा	x _____	iv.	स्वार्थ	x _____
ii.	ईर्ष्या	x _____	v.	संकुचित	x _____
iii.	अहंकार	x _____	vi.	नकारात्मक	x _____

3. नीचे दिए गए वाक्यों में से विशेषण और विशेष्य पहचानकर लिखिए।

			विशेषण	**विशेष्य**
i.	असीमित आकाश	-	_____	_____
ii.	अनगिनत नक्षत्र	-	_____	_____
iii.	अनोखी पृथ्वी	-	_____	_____
iv.	सीमित कमरा	-	_____	_____
v.	छोटा मनुष्य	-	_____	_____

vi. कृत्रिम दीवारें - _____ _____

4. नीचे दिए गए शब्दों के संधि-विच्छेद कीजिए।

i. नभगंगा - _____
ii. संख्यातीत - _____
iii. आत्मविश्वास - _____
iv. स्वाधीनता - _____
v. ब्रह्मांड - _____
vi. महाशंख - _____

5. क्रिया-रूप बदलिए (भूतकाल में)।

i. आदमी दीवारें उठाता है। - _____
ii. लोग सीमाएँ खींचते हैं। - _____
iii. कवि सत्य को उजागर करता है। - _____
iv. लोग अपनी दुनिया बनाते हैं। - _____
v. बच्चा तारों को गिनता है। - _____
vi. मनुष्य अहंकार में जीता है। - _____

Answer

(क) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर:

1. c) गिरिजा कुमार माथुर
2. b) ब्रह्मांड से
3. a) सीमाएँ और विभाजन
4. d) अहंकार
5. a) लाखों ब्रह्मांड, अनगिनत नक्षत्र
6. b) मनुष्य का छोटापन
7. d) पृथ्वी
8. c) दूसरों पर शासन करना
9. b) व्यंग्य और चिंता से भरा
10. a) सीमित स्थान में भी अलगाव

(ख) पंक्तियों का अर्थ:

1. विशाल ब्रह्मांड में पृथ्वी एकमात्र ग्रह है जो जीवन को धारण करती है। यह आकाशगंगा का छोटा हिस्सा होते हुए भी अद्वितीय है।
2. मनुष्य इतना संकीर्ण है कि एक ही स्थान पर रहते हुए भी विभाजन कर देता है और अलग-अलग दुनिया बना लेता है।

(ग) सही-गलत:

1. गलत
2. सही
3. सही
4. गलत
5. सही

(घ) मिलान:

1. iii
2. iv
3. v
4. i
5. ii

(ङ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. कविता का संदेश यह है कि मनुष्य का स्थान ब्रह्मांड में अत्यंत छोटा है, इसलिए उसे अहंकार छोड़कर विनम्र होना चाहिए।
2. कवि ने अनगिनत नक्षत्रों, लाखों ब्रह्मांडों और करोड़ों ग्रहों का वर्णन करके ब्रह्मांड की विशालता दिखाई।
3. इसका अर्थ है मनुष्य द्वारा बनाई गई असंख्य कृत्रिम सीमाएँ और दीवारें।
4. ईर्ष्या, अहंकार, स्वार्थ, घृणा, अविश्वास।
5. यह पंक्ति मनुष्य के महत्वहीन होने और ब्रह्मांड में उसकी लघुता का संकेत देती है।

(च) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. कवि ने ब्रह्मांड की असीमित विशालता और मनुष्य के छोटेपन की तुलना करके मनुष्य के अहंकार पर व्यंग्य किया है। मनुष्य दूसरों को नियंत्रित करना चाहता है, जबकि उसका अस्तित्व ब्रह्मांड के सामने नगण्य है।
2. कविता समाज को संदेश देती है कि विभाजन और स्वार्थ को छोड़कर हमें प्रेम, सहयोग और समानता की भावना अपनानी चाहिए।

(छ) व्याकरण और भाषा अभ्यास

1. पर्यायवाची

i. ब्रह्मांड – विश्व, जगत
ii. मनुष्य – इंसान, प्राणी
iii. विशाल – विराट, असीम
iv. पृथ्वी – धरती, वसुंधरा
v. दीवार – भित्ति, प्राचीर
vi. नक्षत्र – तारा, ग्रह

2. विलोम

i. छोटा × बड़ा
ii. ईर्ष्या × प्रेम
iii. अहंकार × विनम्रता
iv. स्वार्थ × परोपकार
v. संकुचित × विस्तृत
vi. नकारात्मक × सकारात्मक

3. विशेषण और विशेष्य

i. असीमित – आकाश
ii. अनगिनत – नक्षत्र
iii. अनोखी – पृथ्वी
iv. सीमित – कमरा
v. छोटा – मनुष्य
vi. कृत्रिम – दीवारें

4. संधि-विच्छेद

i. नभगंगा – नभ + गंगा
ii. संख्यातीत – संख्या + अतीत
iii. आत्मविश्वास – आत्मा + विश्वास
iv. स्वाधीनता – स्व + अधीनता
v. ब्रह्मांड – ब्रह्म + अंड
vi. महाशंख – महा + शंख

5. क्रिया-रूप (भूतकाल)

i. आदमी दीवारें उठाता था।
ii. लोग सीमाएँ खींचते थे।
iii. कवि सत्य को उजागर करता था।
iv. लोग अपनी दुनिया बनाते थे।
v. बच्चा तारों को गिनता था।
vi. मनुष्य अहंकार में जीता था।